TECHE
UDINE

MANOSCRITTI

# FONDO PRINCIPALE

Manoscritto n. **P_MSS_4445**

*Nel Fondo Principale sono confluiti la maggior parte dei lasciti manoscritti pervenuti alla Biblioteca Civica «Vincenzo Joppi» nel corso del tempo: si tratta perciò di un fondo composito nel quale è possibile trovare manoscritti di argomento liturgico, scientifico, giuridico, botanico e altro.*

Collocazione:

**Biblioteca Civica "Vincenzo Joppi", Udine**
*https://www.techeudine.it/fondo-principale*
*https://www.sbhu.it/*

॥६॥ अथ फुलकुंवर फुलमतीरी वारता लिखते ॥ [illegible] सरसती गवरी
पुत्र [illegible] सन मसकलरा सिव [illegible] मा [illegible] सिनमहेस ॥१॥ अरजक
द श्रीमातसक कीर सारको [illegible] केपीक हितेसाजला वी घने वा पन
कोयर कह वंशी [illegible] सी गली लयावी [illegible] तालेषु पुरवनी कोने हवो
पावो [illegible] बीहाम ३ फुलनाममनमारी तवा फुलनामहै [illegible] जो मो दो नुस
पपो काम [illegible] करता है नगर जदपुर बस्ति मे [illegible] मारा मममांहे
वसे [illegible] है [illegible] दवी [illegible] मनावे ना पुत्री [illegible] जय [illegible] उसके
कौरा [illegible] चनजी सकोद रू दफुलमती [illegible] गसमान नी
[illegible] बीठी [illegible] रा भगत हीमान ३ मुझ ताजा री चंद रे नहीरूपको पार माये
एसासन रा सुन रे नहीं कोद घर बार प वरस सइ पा रामजुइ जोबन आया
पहतव दीसा [illegible] रसकोल मी सावन कासा मे [illegible] इदपुर रा सीमय [illegible]
द [illegible] के पंच तारे जी [illegible] बीज ती [illegible] को कला सार १० का साजा था
कारसा मय [illegible] पद की चाव रूउ तीके हर सार सी [illegible] श्रती सुषक
रे ११ वा ती नगर उदपुर सीसो दीया राणो राजसाघ राज कर तुमे जो
राघ रे उ [illegible] नगर मे सेलमहसरी रहे गंगाराम नाम व मोधर्मातमा ल
[illegible] वमोधर्म मे सावधान वे तीर बेटी फुलमती छ इः ता णारी सम
इ उदपुर मे हीज [illegible] नी सा हाम नीरामरा बेटो नोजराज सुकोना [illegible] आप
[illegible] फुटरो हे बरस १६ मे [illegible] पाता बरस [illegible] पु [illegible] सा वो [illegible] पछे एक 1
[illegible] महेदुप्र [illegible] हजार वोस [illegible] नेला मे हेत [illegible] लाग [illegible] हा फुलमती

अब आज राजकुमर बीलास मेर रहबे पण गणगोरी या नेडी आइ पछे सहरसु
र हा री रा व अमेचेसी घजी तिणारे बेटो फुलजी ताको बरस २५ मे बे साथ त का मे
व रो रव तार बे रा व जीर आगे इणारो चलण घणो बे सा छडी आ गो न्हारा बे सो फुलजी
रा व आरि ह अमर जा को बी गणगोर ने डी आइ सो उदपुर ने सीष दरावा बीस हजार रु
पाया षर चीरा दीया वा तर रा वजी कहे ते अमरजी का रीसा ही के बे पण पाबा च
द आसो तारा फुलजी कहे चो लीवे सार पुजात चा ल स्या अ इ बे गा इ आ वसा तरे
फुलजी सारी तायारी का वी अस वार हु वा [illegible] च इया सा: साथ मोग के कवर
जी ऊ च सकचा लीया आया उदयापुर डेरा को आ सा लीया १२ डेरा को माय कर
फुल जी जाय के परी हा बाग बगा चा माह रहो सुष पाय ने १३ बालीया सु वेरा व
पातरय का गई तर फुल जी पो सा ग करा ने चाकरा ने साथ ले इने सहर मे आया
त मासो देषबे देषता र म नारा मेरा हवे ली नीचे आ यनिसरीया आग देष तो फु
लमता सणगार करा ने झरोष ऊभी बे रात चान णी बे फुलमता ने देष ने फुलजी
मुरछागत हुवा तेर चाकरा बु माषमा कर ने उठाय लीना पछ सावचेत हो घन स
अणलीनी फुलजी बा का॰ हे हत्यारी पापणी दे षान हद के मोय मारो कोइ ब
माड्यो मेरे चला इ मोय १३ फुलमती बा को॰ रे हत्यारा पापीयो काई कलकद
य मेलीनजी ण न्हां मेष चुको ली जाय १४ इद पुरा सी आप बेरा न को सके घर ना
र मोऊ ने घायल की यो दर नम कामारे १५ नमतु मा रात र सा: देस तु अंग पमोय
लागत हा हुबी पड़ा मेरे ता तु सी मु आयो १६ फुलमती बा को॰ मे तु ज करानु 1
न ही को हाजो उमे तोय कोजा तु रू मे कोव सो बब र न हो इ मोय १७ फुलजी
बा क्यो: नगीर सरा णी बसत हो तु तो ह मारी थास य कज र न ता करो
हमारा काम १८ श्री नाम हमारो फुलजी सारो हो मैं राजा जी त हमारादव
बाकवाह लो आजो १९ फुलमती बा के॰ चलो [illegible] काम कहो जे मोय

सा च हमारो जो य २० अब नट जो मती सुदर दी जो साथ नि भाय मारो मन त
सो लगो अंग सु आन मिलाय २१ फुल्लम ती कि स वे चो ल वा सो करु न हु
मे यार षाव मेर अति चतुर रहे मन सा पुरण हार २२ पाऊ मुरष कुलमे च
हो वे: ता का करे ली यार मे फुल अमारा न हीं: का टो वात बी चार २३ मारा र पे
बसो या ऊ भार हो मत ना हा अ भेऊ भी को इ देष सी सरम हु मारी जाय २४ रा
पकेहलो ऊ म र जी को इ ग मा बी रा व मी रा घर रा मा करो इसी न कीजे बातें फुलजी बा॰ मेके
कोइ दरनु बचने पुछोप्याने का मे इ त नो जु बको लो म ती माथ रा बारा म २६ फुलमता॰ मी
णो घा सकु कुमर जी दराण णी हात पु स सोय जा को आवे बो हेत म हरे रात १७ मे ह घाने
ओलक हो क पट न्ह म न मह फेर का व इ कैबे रजी इ सवद बल जो ना से २८ बाती: फुल
मती फुलजी सु कोहण लागी कुमर जी थे तो का म जाणो न्ही थो तारे राजने बच ने द
नु बी अ ने राज माने बढ़ी तार फुलजी कहो हा वे म लणरी कोइ स ला बे तार कु
रा कहो आ पर ओ मेरो कहो बे तार कहो पी बो लाको ना बागबे ती मेदरो बे इ त रा सु ण
फुल मता ना चाऊ तरी फुलजी फेर आ सी अब फुलजी फुलमती रे वा सते रो ज
ना करो षाना च फे रा दे जा वे सो फुलमती नजर आवे नहीं एक दने फुलमती ने फु
लजी देषरहू हा कहो हु स फुलमती म ल सो क दे सा दने माय बताय मारो के मलीय
बा ना जी व ना कले जा य २९ फुलमती॰ मे षा हर जाऊ जर रे लीजो षबर मगाय म न 2
अव लाषा जाजो मा हा र म इ आ ये ३० बाती: फुलमती कहण लागी कालेस
ल सात मरी मे लो बे सो हमे मरु कसी सो पेउव म धार जो सा न जर मे लो लीयो
जा सी अन अप म हा रे मह ल प धार जो इत रो कह ने सा षदो धी पण फुलजी रे प

तमे लागा रहा छे तेर फुलजी गयो तप आ तमारे फुलजी गयो पराण फुलमती
जेर आ इ नेहा तमारे पण दिर आया इण फेरे तादस मेरे रन ने लो
मारो मेलो जरायो सब फुलजी फुलमती ने जोतार देषी तार इण रा लो रहु
वी सो आ बाग मे गई फुलजी पुछ्यो इतरे मेलो कतो फुल तोड बे आ
न फुलमती माहा गई माहा गुलाब रा फुल तोड वा लागी फुल आ बे फुलमती मा
हो गया तर फुलजी कहो तो मारु इणरी आ ले वा नो जर मेलो उचो तरे फुल
मती मुजरो करो तार फुलजी मुजरो लेने कहे सो रवो दरस ण पायो आज
फुलमती पारी तयो उपजे स तो ने काज बर ने फरता सो य गया ३१ फुलमती
वाक्या पीहर गई आज ब गा य जे प धारजो मेर सा इण लोक आजे मो मे फुल नजा
राजो नु र बा री तार फुलमती कहा म्हारे पर कोई वेला क सी आ बा नी बे राज
प धार जो तेर फुलजी कहे छे दुहा तु तो छुटी जु टी कोडा घाल मोय घरगा याम ल
बो ने हो जासा पडद लाय ३३ बाती तेर फुलमती कहे आज प धारजो उ आ ना त
र फक रो षो हे उ वे मा लो प हो सो इतरो कहे ने आ पणा पर चा को लाग्या हे
वे फुलमती आप रा म्हा ला मे आ बो बीछायत करा इ बे सर ब जु ल सा इ वीया
री करी आ प सो ले स णगार करने नी यारी होय ब ठी छे फुलजी पो सा ग करने
रात पो हो रत या सुवा पो हो र आ सर आ इ छे तार ऊ मर जी आवे ण लागा तारया
करा कही ऊ मर जी स हु ब सो पा य डा ख प धार जो हि वे रात आ धी गइ मा हल
कलो सो फुलमता रा म्हा ला रे नी च आयो आ ने आग फुलमता ने नाद आ इ र ही
वे सो घी त था र ज आने हो यो पी ला फुलमती की सने हो तार फुलजी दुहो कहे
आ ब रु उ चो मीय ला ओ य आ ण र पापा जोगा इ ला उ जो मीय दे ष ने हा सो कर सो
लोग ३४ बाती तार फुलमती जो गा नो तेर रास के रो न हु हो कहे वे पी त क सी प्र नार की
महा स ने हे लगार ब च न क सा प्र नार को दे वे तुरत ब सी सोर ३५ बाती फुलमती इसा र 2

च ने हु रा ने जो गी ने दुहो कहे सु षमे सुख सो पडे दुष में ग र जे मो य नी डर छ व सो प
डी जो र न पु म्नो की यु ३६ सु ण ने जे वे जोगी बे का हे हा जी सा हे ब च वलो पधारया मो मत र
माय आगा फुल जी मा बी ठे आ पे बे ओमा ला प धार मे स ब हो बे फलति यार व का चुक म
म पडी वा मा सारा जरु मो ट ३७ बाती प ह्रे रे स मरी नी चा र ए ही नी चे ना ष म्हे
हि लीयो हा वे दो तुम ली ब सो वा तो कर छो ते ते के य फुल नर रा मन हा रा कु
र हा छे अ न फुलमती मन नेम बी चारे मी ने आ जे तो वा ने कर एी न हो तो ची
प ड मा म्हा जे तो रा त पुरी हो य इ सो जा णी चौपड र मी है तेर फुलजी जा णी यो
चौपड कद पुरी होवे रा त पा ड र ह छे र सो बा चो रे ने दुहो कहे फुलमती तो
म सुचे हो बात दे सा त्र ल बात जो मायु सो ए जो म अ र थो दा हे रा हु अ फु
ल मता बो के रा त्र पाछ लावो त हे सु णो फुलजी सा चे अ र त्रे र स म ते ह लो
पा छे के र स्र बा त ३८ ना का रो त्ते न क रु साहे ब सा ची जा ण हम कहा सु जा
ण के बा त सो आ प सु जा ण ४० फुलजी चौपड तो र म सा जरा दस र मो होर ल
ष नर ता न पा वे स्र दरी दे नु और पब त य ४१ फुलमता कार जे का ले सा र
सु मुज रो ला नो मान वा चो फु गा ना करु तु म प्र वेरी आ एा ध र मे हु सा हे ब जा एा
नहो अ र थ न जा णे कोय चतुर हो य सो समजसी पलो अ म र जो य ४२ फुलजी
बात हु मारा सा त्र लो चातुर जे नर स मा ने न ट जो मत प्र स दरी दे करु ज चो ता न
४४ बा तो इ ण बचन र वा स त मा गो र बे आ पर इ स्री जे म ने अ ग सु अ ग चे ट ले
रो बचने रा जु बे हो लो अंग सु अंग मला गयो अ बे कदा च न ट जा यो तो यो तो बच
नता नो ओ सो आ इ गयो अ बे फेर मांगी जे इण रा ह कर बचने फेर मागी यो तार फु 3

लमतापहोकहो सारंग: तो नदानु मे हे प्रीत जाजो मेरो मन दोनु राजी होय वे
नी नावे सा जग वाने ४५ फुलजा बा० मेस्कर होन जाय नुषतो वयो यो आय न जाए
अब कदमी ला हे पाराम न माहे ४६ वार्ता: फुलजी कहे सा लातो न्हा मानु:
तार फुलमती बोली फुलताबा - सुणरे सजन वतरी सर सार मायो पयल ष
तरज मारा म जो धीरज धरजो माल ४७ स जने तुमे सा दहार हो दासी जा एा
मोय सा सदेउ पण कुमरजी बचन को बोन होय ४८ जी वजन सो जात नो सव
रावे प्रमा मे फुव आण मानो मा हा राजरी न हे जे बे लुफुवे: ४९: वार्ता: केवरजी
साहिब हावे पधारो जार ला रात थोड़ा बे हुता दासता दे सत हो नगर फरश ने
नाहे उण हा बारा आवजो साहेब ले सू मा हे ५० फ लेजा बा० कासव राया
अबज इ सोन मो य बना य तेज बना नी कूल घड़ा बरस बरा बर आय पर
बातें फु लमताक हे केवरजी सा हूं बु सुवा पोरस ने जोय तरा से पा पड जाय
पधारजो न हा पधारा तो हेत र सा न्हो तार फुलजी कहे बेगा इ पधार सा: पे
रु फुलमती बेगा आवण री जो लावेण दे बे हुता नात र पुल बधार जो वु
ड नाथ जो ना ही प्रीत जे इ सड़ी करजी ये नो वेर हे जे ग माहे ५२ बेगा का ले
आवेजो मो य गला री आरा जो का ले श्री या न हा तो फुलतेज सपा रा: ५३ ३
फुलजी बा० मार ध्यार बसन हो म ल मो द इ र हाथ जाणा बेगा मिलाव सो
नो बोहे दो नाथ ५४ वार्ता: इ म साष कर ने फिर आया मु कर तारा त्र पड़ी ते
रजा व ण र वासत अमल पाणी कीयो राज पोर गई तर तो यार हो मन लो फुल
मती पिला न यार हेय बजी वी र जो बेबे पु कर ना रात बोल गइ पण आया न्ही ता

र हा सी बुलावण ने मे ली कहो तु ब मा बुला य ल्यावजे फुलमती - हल बो तय त्रउ पर
इ सो के पड़ी बे स हुर अब तो बेग पधारजो करजो नो मर मेहर ५५ वार्ता - अम स
बु ही लषी ने दासी ने दीवी: सो दासी चली २ फुलजीर डेरे आइ: आगे देषे तो फुल
जी ने अमलो मे सुध कोइ न्ही अमल गांणी गेह रा आया पछे जर को दीनु सो बाच
ने पाछो लिष दीनु फुलजी बाकार - अम सबे पाणी कीना घणा आवे णहु को पातार
कीव लार ट रन हीं आयो अमली अपार ५६ मेप मन म याङ्की तीर डूंगरे या स: अप
आन आको हुंवो ना कल ला सी सा स ५७ सोर को हेर गमाला तू जाइ फुलमती ने
सो कहे ष्या व्ल र हे न जाय र हा कुल जे मलाय के ५८ घणी रात ज पर गई प्रभ
ज्यो ते आय समाचार सेगा कहा फुलमती ने जाय ५९ वार्ता: दासी सीष कर के
गी का ली ने फुलमती कने आइ ने कहण लागी रा सारवा कथा - बाइजी साहेब सु
णे मरबे स पड़ी या फुल आवण को द बन्हो दे षो त णा रो स फुल ध्वे बार्ता -
इतरा बात सुणी ने फुलमती ने मुरछा आइ का म आग जे व होय पड़ी - पछे घ
णी बरा या मे साव चेत होइ अने दासी ने कहण लागी दूहा: हो से यो का का यो
लाइ कन्ही ला रे बार हे आज उम टो घणो सहा ने जाय या भार ६१ रे दासी आ का
ला कयो बीर हो मो तोन ग्र माय तन की बेदन उव हा के ह ता कहो न जाय ६२ दा ह
हा कयो चन को बस पुगो न हो सुणा बाइ जा सा व अमल अ्म चत हे जद मुजद
१ मुजाब ६३ फुलमता बा० रा णी हू ध म सहो स हो यो दूष स हो न जाय उ व ना सु घ
मुकजो न हा जा बे ना क ली ना य ६४ दासी बा० बाइ जी साहेब सुणो कुचर अमली 4
माहे ऊ कमे नेलो पुआ परो कवर आवे सा नाहे ६५ फलमत बा० रात अंधारा

४

तेरहो मुधरबोल मोर फुलबनाजी वे मातहे॥ बेगीजाउ दोड ६६ कहीजे एहसदे
सुडो वा सो वो सहीने जाय बेगा राजपधारने बोरहे बुजावो आय ६७ बातां दास
क रूनी कही फुलजाक ने गई सो सगली समाचार कह्या फुलजा प णसावे चेत
हुवो तारे दासी अरज कीवी दुहा मोय पवाई राज प चलायमोरी लारे अरज है
माहा मानजो काजो उन कासार ६८ बातां तब फुलजा कही आज तो रात्र लारे
लीयाडी रहा छे सो काले आवे स्यातु मेजावा तारा दासी कहे छे ऊं फुलीया
भोरक चेर सुरा फुलजा होती चंदसी तोय राज बुलावे एण कीरण बेगा मलो
हीय र बेबर उलकी अबुला जे बात भइ है रात जे सअब हम के दजे चलो
य मेरी लारे अजे अब को जे नाहा मानो ह मारी बात जीवता देखो जाइ छण्रे हु
ली अबर कामेतु मे बोल्ये अरज हमारी माने थांम कुवन हीजाए सो तुमेरा
बीको आण ७० मरनके समतो होयरहो तुम बीनेर हे न जाय ओ नही बुगाड़ लेख
तो मर सी अंजर पाय ७१ बातां तेर फुलजा मन मे विचारी या म्हारे वासो होयबरे
पातसीने मेलो अने अ सो होय है तो हा वजावे ण हल अस को मने मे जाण ने
जे ननेक रील गारे उव चल्यो उसहीबरा पासी तएज लाए ७२॥ बातां दासी
आमगजाइ ने वधाई दीनी के वरजी पधारया तार गलारी हार तोडने वधाई मे यनु
से जरा तो यारी कराई दासी ने बीर बहला काद ने धूरी सेज कसी आत र केसबोया
मेलीछे हाइ कोठा अबीर गुलके दफे मी गाइ पान जुदी र जात से अतर धरी यो
आण ७३ के फल अमलने जाय फले को फल लची लोंग इलचीनव यारी सजकरा
मुरगे दीनो वाग ७४ दनउग मे या जाण्यो यो करण सो गावे घोस फुलमताने फुजा
दीने हुवाजदास ७५

बातां इणरे भी आपह्नु बोन हो हा वे फुल मती जरो को आइ ने फुजोसु वीनती करे छे हुक
मलेने हुमसके प्यार है हजे सन हीने हैं फुलहु समपारे सीपचे एमे दासयो छे ह ७६ बा थोरा
सुप्यार से राम ने कल का कायापलेन होय गारा मो तुड़ी मोन करजो जीन ७७ फुनी के फु
लसा वीक कुतु मतो जावे ने फास मे रमन में तुम बसी सदा सेवरी आण ७८ कुम्हय तेबह
कजरा को रगत मा सोन घा र क तेर फुल मीलपड़े नेह नसहल ने जाय ७९ फुलजी बाकया जु
दु होज जाणजो सुधाह व वात सदारे हुजो को य न जाणसी मेरा मन का पाछ दल तो जरा तेथु
हो नियो मील रा दइ छे कपड़ पीदेनी न्या वेस आपणी बात तो करे नाय ८० पारो मन ने भी
सुल ण तेरा जाण भी जाण तीरथ लुक न हीआव है थारा जीवे रे आण ८१ बातां तेर फु
लमती कहे छे लगामो मी हो रे ताथी ह वार बनो कोरचडी छे सार रामभ सेरा मोथा राते
मोह मेत मन ही सदु जाजो घरे सीको न ८२ बातां हेती बीत करने फेर आयो हो
बेग लगारा बातां सुणी से पकदतने तेर वाकरा के ते चुडाइ सेतो मारा करो तार फुलज
को हवे चक सा तीर अस घरे बमल गए सा सायापाली सीचे णत ना सरी मेलो पुर
ररीयो छे फुलजी पल घोडे असवार होय ने आपणा सात सुमे लो देखणने आया फु
लमती च ण स्यागार करने फरोख आई तारा दोनारे नोजर मेली तर हुजो कहो फुल
जी वाकया फुल मतो तुम चुन्हलो पासु मा हार यारे न न तु मारा दाक लो सह ही मंजाय
मारे ८४ फुलमतावा नेन हू मारा लाल्ची हलसउल सफर जाय आव गेर हम ताके
देखणारी मा य चावे ८५ बातां ईसो दोहासुणने मुसकीया मे लो देख ने फेर आयां फुल
मती प णगाइ पोहि रा लगई तेर फुलमती सोलसण गार कर बडी बे अने सासरे रोबलाव
आयो तार कहा मारे पेट दूख ले सो आज तो न हा आउं तार वापराइ फुलमता आप 5

५

लु

मनचंताकार जेकूण पारखा मलवात माय मूका जा चलो सिंह मनसपु रसगार ८८ रूपर मुला मरीके ताकूम लोगा एल तोसु वेथी वतरो साइजरेमनपूमां ए ए ए उलोह

रे माली व जाय सुती जनेरा नपोर दोय गई ‑ वान रणी फूलर हो वे सो देष ने फुलम तीहू हो कहो है जेज दो लागातनु मोनें न्ही सके सोय वा नो सजने फारगी काट कवरी ८६ वात: इतर फुलजी पासा क करने आयजे जोरहो पके री समरी नो सरणो सु माहे लो मे: दो न्सु मी ल्या वे माहे माहे वातां करवे न दी वे जु गो वे सो दी वो देष इण री काका री वेटा री व हुकम के न आइ त मा सो दि बन परी गइ ८७ फुल मती हूहो कहो सु रजन लाइ कुमर जी मारे उ गो आज धन आ ज कार णहे सर सोसगलो काज ८८ फुलम ती वात ऐं आव यांहि र चो ए घडी जी वे तु मारे पास सा‑च मन फु जी गोर ज्यो पुरी मनरी आ स ८९ वात: एक का अर को हि मे तर कुमर जी हरिष मांगा: हहा: रे सज न क रजो मया वाण आ जो धय मो आ मलो जाणने र ब द पा वो ले हे ९० १ रवे सु लीने केर आ या या क ज न हे वी मई नाम को वेदी वे या रो वरू वे वा वी सो फू लो कहे: आ वो या र सी क ढ ढ म माल र रंग महल दे ज घल रह्यो वा सुज माइ रात थि फुलमती वा क्या ‑ जो लला गी आ घर मी रचा ‑ लेय हातेले णी करे आ थ का नाहो दूर की सारी ला २३ जाजाइ वा मी र चोरी आ मा ने कोई कहे जेसा चोवात ओर पुरष मे तार मां जो सो दो समात २४ फुलतो वा‑ चोपी: मे पुरषकं रु न्हीसे मा ऊ ल मे री ज्ञती नी रमल मन को हो वा ई त बी र चे जोजा इ: इसी वा त मेरे पायेन आइ २५ जोजा इ वा‑ वाइजी मे तो लक हो चुकाय डो मा माय मे तो गी सामह ली बुरे माल जो नाय २६ फुलम‑ हासो अ सा व कालो य पा णा ज चे जाय जो को इ हु आ हे ले तो तो ले त आ न के दाय २७ इसी वात कुटा री मोन न्ही सुहाय जो कोइ दु जी हु ती देवा नगर क दाय २८ वात: इतरी सर मां जे जाइ न वर को चढी जे मो न सा चै ने फु ल म के तर क हे हु ला थारे तो सार न ही देष काट जो बात थारा सगला च रत मे देषा सारी रा त २२ फुल मती वाक‑ तु तो फु टा क हलो कुवा वात वणाय तो रो नी वा गडु कहा लग हूं मा री जाय १०० ॥

५

जोजाइ वा‑ इतरा मोटा हो पने कहे न बोली कुत्र वातां करतां दे षी पा: और पुरष री साष १०१ ल सो ती कार पको करू सु माने नाय अे वइ थारे उपरे मर सकु पा सी षाय इतर बा ती तार जोजाइ कहि थे ने ला इ माजी न को हा कुछ केहू सु तो मर सु तेरा फुमती जाला जे रात री बात लल वाइ दा स वे तारे कुसा मदा करने कहीं जे मारा सर मे थारे ह फे वे जोजा इ वाव च वड वात नां करू रासु मा हा की माहे इ सी मत बी चार जो बे हुर काढु नाय १०२ वात‑ पे छ आप आ पुर वका ला लागा यु करता आप नाकु चो: तारे फुलमती सारी लीयारी कुलाई आप स ला कैर ने बे वा इ तर फुल जी पर हु ता यार हो इ बैठा इण री बला वारी बरे जो थे वे रा न चो र १०३ इहे मन मे जाण जे हु थी मेलो वे जाउ अने फुलमती सासर गइ हैं तो हु कन ला कं जा इ न कहै सो बा जो र वा र न्हा दर्न र आइ रा त्रे रा ऊ जागरो वो इ ण ने प या व र जा ला र न्हा द आइ उ करतां हे न उगो तो मारे छाने मेली ने कुलहो यो रा ज आ यान हा सी यार जा णे न्हा आया यो हु लाय प्रेमली थी रजन ला हे न बाधी आ जस हे ला जर सा य ग यो हल: दा सी अ व नु म जाय के समाचार जुगना य रजनी दो हो रा न कल्लो ष ब र ला जे ये आय १०४ तुरत न गइ या फुलपे वार ने वागी काय फुलमती पा रो ला लो मुजरो मालम होय १०५ रा ते जो इ वात मे कुल प धा रा आप पे येन हु आया कवेर जी कर ता रहो बी ला ये १०६ वात: फेर फु ल मती कहि सो समाचार सारा कह्यो सारा फुल जी कहे थ्या रा ब ला वारी बात जो इती एस अ पा क हा दा सी वा क्या‑ हम कुंवे गा सा य दो आया कही रहेस न हि आज प धारो यासोपा पर वा म रस १०७ फुल जी वो‑ दा सी अ व तु मे जाय के र षि या मे री लाज र ष म र रा दाजो मती वेगा आ सा आज १०८ वात: दासी ता हरी ना कली सो जाइ ने फुलमती ने सो रास माचार कह्या:

6

प हुरात पड़ी ता रा मारी मा थोरी करी इतर मासरा रो ब जो यो प्रसो सो था सा सर पर
गइ न उ ह सो चमवे री सर दासी कह्यो सो च क सो बसत रो कते करो बोलार फुलमता
कहि फुतो सा सर आइ हुने फुलजी नें बुला वा बे तर ए सो सो च बे सो कुवर दे वा नो
जात बेलो आवे हुवा आज फुजी सुं मलु तो ना सो सा सो मात इत नो बान ला के
जायो प्यारो कर स जात १०८ बात- इतरा सुणीने दासी ना कली सो मारग में जोज
राजे मलो अने दासी ने पुछी यो पी हर सुं आया के नही आया हा यतो कजो
आज रमत एरो नी चे कर वा सो सो साथी आवे एदे नही सो मारे घाट जो जो
म लो सु इर ह जो इतरी सुण बात दासी पाछी आइ सारो हकीकत कही नीरा फु
लमती वो सराजा हो इ ना हू लिक हो कुलदेवी सु धन हेरा बा माहारो लाज सांचीमो
ता तु प्प इ पू बो दा नु आज ११० बात: पछ फुलमता दासीने कह्यो हावे फुल
जीने उदा मे था लीला जो उपर फुलदा जो माल एर माष्ट दइ लाजो इतरी सुणने
फुलजो कने आइ तारा फुलमती कहीती म करो हा बे उ मुनि था लसा सिर लाइ
तार माल लके हो फुलडे तब सा सुबो ली ना जरा उर माली लेइ जो तद माल ए उप
हुल्प इ तद माल पाले १ मासेर दइ इ वरा मो षदानी अने दोला या उपर फुलने फु
लमती वे थावे पछ फुलमता उलनो दिवे हुवा नेला आया फुलजी इ साज को
नामारे राते पारे उपरे मरबा हो इ तर यारे १११ फलक बहुहाइ सो मन नमे नहीं
आणो ये पराबा यो सके अप पचीत करजे नही कवीने चव केलन कः ११२ फु
लमता वाक्या- पूतिज सर सो रा बा यो मे तो तुज ने कीयो कबुल अब छुप्या
प मरो मो जड़ो तुमसार को बो माडे ११३ फुलजी कबे कदल यो राज पाट स
ने बो मीयो तुम सु बाधो पारे पर एा मेतो पहुयो तुम पदा नो धारे • तुम प्रषा •



卐

फुकदे नही लाष तो सुय कसने हे और सुमत नही रावुं दोरा कां दुराव जर चे भट को तेम
हो अइ बुला बा आज जे जे का नी मेना हुं ११४ बात: पछे रा चे लार लीयो उमा एने
फुलजी फुलमती ने कहे बे हुवा: समाचार काा दन रा दरमा कर जी हमें स मुसरा
इसा मुदो: जु जा वा मारे दिस: ११५ फुलमता सुणी मोतरे बुज रहे वा अता आग इ
तनो सु रात हेवा पछा जाण का फ हा जु यो ग ११६ दासी तब ते आय के दरमा लागा चे
वाप चेत हुवो व नीकइ पीउ आप बो लिया य ११७ फुलमता बाक्यो: एक बात सुण फु
लजी तुम जावोने हत्तो हे अब मैं ता मर सुस दी: आर ने माहारो जोर ११८ जोर हमारो
मरण को सुणे फुलजी बात इ तो थारे उपरे लसु उपा पान ११९ फुलजी बाक्य इ सा
न हो बा चार यव देगा आसा हमे फल कर चे तर करजो मती मुसार हु जो घे हु १२०
बात: फेर फुलजी कहिरा वे जामु इतरा दनेरो को ल दी सो के लता बु का या मे नप
ए य जा हो य नि सा घ दे वो उ अ प्र स कार हो वा: फुलमता वाक्यो- लारे हम कुले चलो
कहे हमा रो माने ये नलो हु चाला पतो ले सु दरष पान १२१ चवइ यणे: घ तने कराव अ
यके नेह न चा र जी य अ न ए प हु ली तीज के वेगा आवजो मेजो बुध बाट कुवरजी पा
यरा परि ह- वेगी ली जो षबर फुलजी माहारी १२२ फुल अरदास- लार करे सब ष ले चल
इहारा एा को दुस साथ हमारी इन्हा फोजा लार बंदे स १२३ चवइ यणा: कुन्हा वो सु कुव
समझे माहि रो आ स्यो आ वणता जे के सुस हे षाहेरो कोल की यो आज के ना जावस्या प
रहा: आवे राप हे ली ताजके वेगा आ वेस्या १२४ बात: फेर फुलजी सी षा सो का आए
को धी ने फेर बचनेराधो पेर पुसम ता केरह बे चे डू यणा: नेहा आवे से सा च के कवर
जी राजरो दा जे बचन बा चार कसी ब माहारा जी सज ने चेता रा ष के वेगा आवजो पर

हा: दस कतअपनामासके कामदेवेगोमहलजो १२५ फुलजीबाक चंद्रायणा दीयोराजा
होय करवरनेयामने: नहीं विसारां कोलकयादबमा हेवे ओलूअसलीमोयकं अबही
७ राजरा परिहा बेगा आमा मे हे कसुसमाहांरा डारी १२६ फुलमतीवाक: कुंफलायो
करजोड़ी अरजी करुं सुणो कुंमरजीफुल: राजपाट के कमपर: मोयजीवो नहीं तुल
मोयजी कामदकारपाकेरलो षोयो: घणा ओलावे रोदेय: कोइपणचिंताराषोमा सु
ताहसमणकीसाष: असीमनमेमतधरीयो: सुराकुंचरआफुले बेगाअविगमन
कीजायो १२७ फुलजीबा आणवेगा आयसा सायवणपहलातीज पछतोदारापहलीहा
तूहू नहा चुके मत: १२८ फुलम: इसानेहेव कुंमरजी: वचनकरीनेहोफुव: हमनेहू
मंवोनेसरसनेहो: तानजायमनटुट १२९ फुलजी-मायेदानुवचनमे: कदेनघालोजाय
जीणहानीनावसी: माथापडामजआय १३० वात: पछेफेरु फुलमतीकहो: दानदे
चारफेरूरहो: तारफजकहा: अवतोरहणी आवेनही अवसाषदेवोमुसाहोयने: पछे
फुलमतीकहोवा कुंवआसुकरवे: पवदनजीजाणे तारफुलजीफेर आयां: अनेवडजा
णकरायो: अनेफुलमतीकुने वाकरमेल्यो अनचाकरजाय दासीने कहो: कुंमरजी
असवार होया वे मेनमेलोवो तारदासीजाय फुलमतीनेक्षं तारेफुलमतीअचेतहुइ ७
पीहोर१पछसाव चेतहोई पछे दासीनकहेबे: चंद्रायणा: दासी अबमे कांकरु: कव
रहीबेमीगयो आंही पुरतलगायके-आजहांतोडुगायो देषापुरषअपारे असोनद
षोकोय: परासु बोहीतदनाकी पुरीत आजहांतोडागयो १३१ दासीबा-येअतराफुरण
कामसूरो: वांकमननहीचीत: बीनतोकपुरषचरो: जोकरोओर सुप्रीत १३२ हायपेष
तदेवसचले: भानहायमुनीसंग जोबोहोपरोनायादेवो: करोओरसुसंग १३३ फुलमती

कुंफलायो: तानलोकचौद जवने: इसोनेदेषोकोय: मेवषांणकाहाकरु: सालेतहोयाम
हे: सालत-जायवसी कुंपालो: कुंवरहोयोअसवारि: कासबीधपाको बाधो षासफुलस
षओरकीलागो: वेगीअवतुजाय: पकडारा षोबागो १३४ वार्ता: मसमाचारेचाकरे
सुणीने फुलजीनेकह्यो: अवमहादासी आइकहबे हुहा: पडषीपडतीतीषहे हुजो
षाबरेवारे: ओतीदन आडोनहीं: राजचलायोसुकनेबीचारे १३५ चाकररासीराव
चलेसुणा: वदफुलजीकहोसवारे चालसा: इणवातबचनकरीनेदासीफुलमतीकने
आइने साराससमाचारकह्या: तारफुलमतीजाणीआजरहातो कालेचालसीतोचंतातर
हारहा चंतामेरवावे: पछरातपडीजदफुलजीफुलमतीरे महिलेआया: अनेफुल
जीफुलमतीसकबीलासकरयो पछदोनुहीबालोडी षालनेसुतावे पछफुलजीजणा
यो तारफुलमतीयणजाणी: तायनजगतरीतायारीबे: तारफुलजीकहोअवमेने
सीषदरावो: फुलजबाक्या-दनओझोवे बीजेरो: हुजोसूरजवार: देवोहमकुंसीषतो
आजहोवाअसवारे १३६ फुलमतवाषोताकीदामतकरो: षारमाहानेपाक: मेप
षडकासबांधदेउ: सुणीफुलजीसोष १३७ फुलजी- षारामेयलरफसु: मनमेआ
णदराष: वचनेफुटहमारोनही: मोनसीसरोरअराण: १३८ वात: हावेबागरसोष
दामाफेर आयनेअसवारहोया: पछफुलमतीसुणीसो अंधालाआयनगार्य पड
पछदासीसावेचेतकीधी: हवेफुलमतीफुलजीबीनाघणीउदासरहेछेसंसार
राहसणीबोलबोषेलणीगावेणी षावणीपावेणीसारीछोडदीनुहे अनघणीउदास
रहेछे: पछेकेताकदनेहोयां पछलफुलजीनेकामदलषछे हुहा: सजनेतुमेवी
छरतांबोलउवातनेषीडे: आवपहरचोसरघडीनेनाबरसवेनारे १३ ऐ॥
8

८ आगे कपडोगे परु नहो नाज पुकारे थारे पा वे फुलजी· बोम्यो सकुं ससारे १४० दह
दुध को मण लीयो थारे पाछे फुल पाणी आ बोबो मीमो पुन ने सा तमुल १४१ आ बो
कपडो बोफायो बो दो आबो धामे· बो दो आजन सारे बो होमो नागर पाने १४२ बा
हणाकूपरुनहा वीदो धरुने चाले· बो म्यापाके कार ला बेगा करा सेजा ले १४३ सि
ज्या सुखो बाफायो कासुलषु पुकारे थाने सरख बोफायो बोमोस घ ससारे १४४
मे ता सब सुख बोम्या फुलजी एक ज थारे लारे सब बात रो घणा लायो वेगा कर
जो सारे १४५ रंग रंग सब बोफाया था के कारो फुलजी सोरम णो गावे रो थाके पा
से फुले १४६ मात पीता गा हुली कहे कोइ कहे सो तंग था के कार ला फुलजी न्होसु
या हत्या १४७ सब घर का दुखण लगो माता जाइ बाप सहु बात राखण लायो लो
पंजन कसो हर ताप १४८ सगला वे सता कुं बोफही बले पाचुहीपक वाने मात साजी
बात कुं लोय गलारी आए १४९ माता जाई सकु कहे जे हुला फुलजी साहावे फुलो
पाके कारण देख या का जावे· १५० पीवेराना मोने मोह करे हो इसो हवाले ऊलो था के
वास्ते था की जे नुटाले १५१ बाने चालो कहे ने सकुं चेत उतार मे इस डां न जाला थां
द थाथा रो थारे १५२ सुलद सेमण की साथ कुं मोकुं दायो बिषले का हाल षुअब
फुलजी तज ले आय गा थाम ले १५३ सजने उन ने याद कर किस वी धवाछे
ने हे आप मरे ले गो होय ने मे जो दे था यो वे हे १५४ उ कन्हो पडया कपल क
नणा ताइ ने ओघ पे वीर बडा मा फुलजी मो पेस होन जाय १५५ आ पु बजा सजने
पेमालो ताकु दे ने बे दुसेग आव पहर लप कर जु साव जसमा जुग १५६ मो कु
सजने जाण जो कु कुमेतण आधीने हलो था बीने फुलेजी जे सजल वने माने १५७ ८

सजन हाय दे वसर हा जामे हरो हे प नु मन तल कंठ ने सीस प सदार देत जु संग १५८ सुदे
करता आव पोहर पले कावी सारुना हे कबर आ वीशे उआ परो माकत हावे डामाले १५९
चिताफल र घडी थे मो म वाला बोमु सजने आप स कमा लण को था सुमत हर को क
१६० रली जवा सुपने मनी पा पा दावे सने लाय या आवे ने के कार णो: था की कामजे
काय १६१ बा यो को सबी दगाले बीघ सो लाग धान था बी ने लाग कुं मर जी सेज सु नास
माने १६२ आठ पहर चो घडी सकर गल नाग कंठ हमी रेज बसी बाजरा लेन आण
लाग चेद को चानणो याव कप घल मंग उदने आज उगसी धारो कर सुसंग १६४ बस १६३
षमास तो बीतग यो करायो बेस ताले घणो राजने काइ लषु देषी आपरु बोले १६५
सुपारी पान सुबीडकी जे सी मोतन पारे जेठ मास आया हावे धरने जावे धीर १६६ जे
साद मास आवे एलगो करणला गाहे सारे सो सफी ओ वे नी क ले वेगा करा यो सारे
१६७ सावेल आयो फुलजी घटा उमरी आय बीजली या चमक घणी था बीम जाव
डो जाय १६८ भावण आवे एक हुग था करगया कोल अन व अबलो बेगम पधार सी जा
दो बाकाइ लषं ते १६९ मेर आगमेन पख सी उफुलमे बासे का गद वेगो मलजो दस कत आ
पणा था से १७० कोम काज लखावेजो मोलायक जो हाय कर कार पालष जोसयं आ वरहे
न हा कोय १७१ वातीः कागद वडने सु वीनती लुं फेर समाचार कहवे हुलासुब पकास
देस उो वेगा जाय कहे सः कागद दाजे हाल मे पीय ना वामर रेस १७२ बात: सुउवेज
गसुउमी मो सोले इ आयो पछे पा धरे फुलजी रे मह लो गयो आग फुलजी ने रणी
देनु बकाछे सो फुजी सं मुफा कने कागद नाष दीनुतारा राणी बोली कागद मनष ९
लार ते आगते दवे छे पताम् वा लार नी आज हा दी ही सोक मारे आयावे मन री बता
वी तरे कुलजी कहा ज णी मा होय सो वा चलो: नहा व चडो वगारो हे पढ फुलजी ॥

कामदे वा चंस र सेने ह बाच्यो तारमुर जी ओर पवे सार चेत हुवो नार कामदल मुए
ए नतीयार हुवो तारा खी बेली कामर कुसाने लखो जी तरफ लजो कासे यतो व वार हो:
प ब कामदल सीवा सा ने क ल हू हः परी पतीयो ५ र ओर सुक कसारे: बा चत ल
न दल यो उप जो हर प ज र पा रे १७३ आ घ पो हो र घने चा हु चर चा ल कने मोरे
मे हम बो लैरा चाहल हो: जसरे वे कोरे १७४ मिल हमारी लार हो जो वे ब मारे
पासे प्यारी थासु मत लारे: मन मे अघ कुल्यास १७५ मेरे जा वे मेब सरहा पल
क बी सासनाहे: आव पा हार लामी र हे मालबा की मन सा हा १७६ पो डो लषी
या जां ला जो प्यारी मे रा न हे: कामदरा कासुद या बे मात्र सा हुमे ह १७७ ओ रजु
प मा का हाल प्यु हमे पे लखा न जाये। तुम पु सार हू आ सदा: मिलस्यो बेगा आय १७८
जो पं थी कुपंथसारे पलेजल का पासे प्यारी थी तुम सला का आखु पहर कुल्यासे
१७९ बा र्ता: कामदवीड ने सुक ने दखी पब मे का म र डुपु बाइने सीष दीनी: पबे
सु वे उमाने उदपुर आ मी आ इने फुलमती ने कामद दीनु: फुलमती का चनि ह
जी लिइ: अब सा चे एरी ताज ने डा आई तारे फुलजी रा बजा सु सीष मा गी ने छोड जे
कराने कमर बधी: इतर को फुलजी रा राणी ने कहे तार राणा थाय ने मला मासा बु ल
या: ने राणी पु बवे हू रा छाडे जा ए करा बे या चोल एकु वा लायारे: सा च के ले जी
सा हुवो क व कु वा अस वारे १८० फुलजी बा छोड जा ए करायने मिलए हू वा तार्या ५
रे नी ए कारए वा धा कमेरे आसा उरअ बारे १८१ रा ए बा जी राज डा उमस्पा या गह
रा कपडो लारे कुवने हाथ ला उ मरजा न्हा चढा सकारे १८२ फुलजी पारतो सुपारे
हे क हिनेकु वो बाते राजा होय ने सारपदो: थक दा वे स एक रात १८३ राणी बा कामद का
ए से कुमरनी आमास क का लारे: दा से वे प्याने बसका या करण हा मु इ नारे १८४

सुलो क बरजा वा तई की पासु थाथो हे मडे का रेसा ने एता ज हे कुपे जा वो सा
१८५ मुकु चाल उतारने चालो कोई बदेस कुंपएप्या वन पलक ई हा यो फुल मरे
स १८६ बा र्ता: फेरु राणी कहे: कु रजो सा वे रा ताज ने डा आइ र आप प्रदेसे सा थ
वी बो सो छूत ता ला म बा ताइ जी व ए इ नही: तरे फुलजी बी चारी यो बा ट जो ता हा स
इ सो कहा ने बगर हा: हा वे ता जरे दने फुल मर ता तमा सो देष ए ने गइ ओ अर म न मे
फुलजी रा लगन लगर हा छे इम करतां न पड बा ला गा जा रा सर बे आप प रे व का ए ग
पो अने मु फुलमती प एव आ पर म हल आय बगा म ने मबा चा र वे ता जरे कोल वा
सा लो पुरकु या फुल आ तो आ र यो ने हो मारा पुन देरा का दा पुज्ना त दा सा ने कहे छे हु
म हे का हा प्र पुरष से: को हा मो हा रा अ कु वरि का हा उ नको सा च बे: को सो हमारो पारे:
१८७ बार्ता: पब दसा धर प दा थी अने कामद लष छे ते ना न कले हू हा: कुल्लामो: न
च नु क र आ पा नहा: ना कलजी वे जी वे बा हे लषु मे पत्रे ब च ने कारसा लहाय ना कर
जो वे जा वे: ना कलजी: हता प ए आं सो धुले: ना ले नो प क ओर प्रात करता हु काने अ
स जने निर दई इसा मन मे का धार रब चन कर यो तुमे ऊ न पधरे ने ली नी म्हा रा १८८
सजे ने तुमे तो नर दई का हे के इ मे तो यु जो रुप हला जा ला ती प्रात न करता कोय: प्रा
तन: चे क मे प्रा त ज का नी तुम ते कु वा क वारे ब हूर मो रा न्हा ला नी चु कपडा न्हा को
य द या अब का जे मेरी म र सु पा सा छाय ला गा ने ह्ली आ छ मेरी १८९ ते इ इस दा यो बच
ने सि वे मत को का चद यो जग वा ने सु सपा इ मा हा रजरी प ब र ने ला ना आ एरा १९०
सजने कं च ए ज रा रा यो घ ड प र प हु रो आ री का ने स ल तु व ता वे ला पा ह ल ने यो ना
धान १९१ फुलज मारा प्रा त को न्हा मु ष हू ष को सी रे रु पी छो ला य जा ए यो न सच ने 10.

मे कभारे १९२ कंपटले रोमराता री नेकरतान्हा सनेहे बाद लचरी मिजाणी थे हुं
यो बचारो छे ह १९३ को लेब च नेथे कारग यी जद जो इमे बाटे जाणो चे ता बा वेन नस
१० चनयो जको व १९४ मा व पहर चौसव घडी न्हाजा वे अ च ने सुपना मे दुख देत हे
सजने परोबणा १९५ बात यो कांमद उ दासय का लखी सुकन दाधो कोरो पर औसमा
चार वेगा लीज पव सुकत मा लरो इ जाइ फुल जा ने कामद दखु तारा फुलजा बाचने
पाछो लुषो कुहा ऊफलरयो असा म बचा चार जो थासु मारे पारे अपघात का जेन
हो लजा सऊपर बारे लाज सऊपर असी मनेम मत धरीयो पो डेरा पोबा चारलो
क चरचासु करीयो लोयगला री आं ण जा वे हे पारे मा हा आउ बु अ ब बेगा अजने
कर सुना हे १९६ दुहा पारी मीरा ने कहा मत दज्यो बद क्षाय कुरा पहुंन संदसी बाचगा
व पड जाय १९७ सदी वे थसार जोरा दा जा फुल री वास फूण ह मीरा तरे सपा हु मारे
पास १९८ पारा तु मतो चेजु तो फेर सु गड सुजाणे मन रंजण सुले तारो लो रहे
ते हपाण १९९ कागद री का इ लसु कागद लो के वच हारे पारीजा वेठो जाणसी मारा मन
री बात २०० दुने में हे चित बसर हे घडी न जाण मास पारा थासु बोलमसा नाद कु
दे नहि आत २०१ वारता यो कागद बांच ने सु वाने दी यो सुवे उठाने उदपुर ना यो १०
जाइ फुलमता ने कागद दी नु तेर फुलमता बांचने घणी एजा होयने दासा ने
कहे बेरा वे फुलजी बदफोला जने दने आसी पछ जाजने मा आइ तारे उ वा सु फु
लजा चाल णरी तयारी करी तेर रा णी जा णी फुलकुमर जा चाले छे तारा रणी
बाका हसा माय रे न्हा बाफा ओ जा ल घारो होय बीन रहो तरे मोलसो न्हा
न कहसी कोय २०२ बात फुलजा कहा क सु णा अ हो के स्त्री सुणी अबासु चाला

लीज उदपुर आयो ताखबरी प्रवधीतीजरो मेलम मंडोछे फुलमताने आलगारो घणो घरो सावे
सो समाचार कर ने मे लो देष वा आइ छे तेर इमारी मा हे छुटा क सो सप ग्रथ को ते मधुणो
अरमकारी जोगी उमत बी चाल चुल मेर गल गहलो सातायु २०३ बात तव नी कलीने
मे लो देष वे सो मेलो देष ता फुलजा रा मन मे आइ तेर आ वा मेसु नार हाइने बुहीमो रेखतो
नार को पारे मिलु जली रायो आज का अली तीज आजे सन्हो आइयो पहला तु दासे मे
रा सा के फुलजी बोले मायो २०४ बात: पछ सा फेर धीर पदा नी इत रा मे फुलजल्या
मे फुलमताने कने थी अलगी ने य फुलमता देव तीथ णी बुसा होइ हा वे मेलो वोध
रो तार मरव आप आपु खाव कर गाया फुलमत घरा जो पर सो लेस एण गार कर छे
इ हो चे इ सुएण: कचेर मल णर काजके अंगसक बारा यो सुध ध कोत मभाय के अ
मल गाइयो: सजो सोल सणगार कीय इय सोम नी परिजा: काले हेमर मा हा कचेम
को पमना २०५ बात: इतर सासरा रो बुलावा आयो तार फुलमता कहा मोहारे ता
र तवारो छे सो आवसी नहा आवे तारे बु मार णप रहाइ तेरे ल यो हो र को हाइ तारे
दासा ने कही फबर जी ने लावो सो इसी फुल जी क ने आइ जाय ने कहो कुमर जी पधारो
तार फुलजी लार चारपीर मालाया तेल आया तदा सामा हाइने कहो पधारा छे तारा
रे समरता ना सरण णी ना ष उ पुलाया तव फुलमत कुजा रा करी ने उ भी छे फुल जी बवा
छे पछे फुलजा फुलमताने बुसवसो बोल न रहा तार फुलजा मा कलो हा कहो लारेसु
ले मा वी सा हुआ: बोल बचने कोल नोद यो म याजो गा कर जुले: अब धापयरो कुमर जी
सा च आयग गो मुजे २०६ कोर कहने चालाया याद कराजो बोले अब तो पारा बचन रो 11
लाज रम राइण यो तो ले २०७ ये तो आ णी फुलजा बोलेस हुपमा च बोल तुला रतन रे ना कोल
आपमा कांचे २०८ बचने कुक र णिकव सोसा करता को साले: मन प्रीतो सो चो हे ता: सा उ न
को को नह वा हे: २०९

फुलजाणी० चेक पडो कीजे कारते होय हारनौ होय जाणरने जुलान हा वेषपुमेन्हां को
२१० मं रूसे फुलमसाया बोहा तीनरो कोल लेवो ऊनेपधारो फुले यदन दोरा कोटीया देषो माहा
११ रोसुने २११ धारजो अां व लोहि तो तोकरता घला उपाय अब तो कुवी बात कोन कोटे
उपाय २१२ वात: तार फुलजी ला र लाला जे उपरसे याद कुथा जगारा समाचार
कहवे दूहः मत करनो तो ठक लोसहर सू अां यांमे दुबारे सा षमा म महाराजरी हेलल
गाजम सवारे २१३ तबदा सी अाइ सेडु के ले गा १ माहे बु लाम कोणाही हु समे एमबरस
ना रला पछे लाजाम २१४ वाते सब केना सरहा केो एहाजा एोनाहि थोडा फरणनाम
स करी पड़ा योअां थाइ हो २१५ वात फुलमता जाता अमसजाण दो पब फुलमती
अमलराम नुवारा कोड़ा तब लो नु इमसष करता दन उपा तारा कवरजी सा
षमाणी तारा फुलमता की हा अाज तो अगहर हा तारा फुलम रदने १० रुपया १५ र ल्हो
पव इम करता अम साघ जी नेजां हरहो घो तेरा सीरदार चे जा होइने पाट उपदसी
घुजा नेषा पुसा पत फुलजी समाचार सु वातारा घणा पहोकर योनु पेगफु लेजा
रा कुमकोने गयो मोषाण करा इ पछे राणाजा के नेगयो लोषदोयरो पटोदेने फु
जाने राणजी पछे फुलमताने अांचे सुषनावास मेर हुवे सुषबाल सेवे इहा
समत सोलासे चावनमें कथा कहा चोतलाय सर सतीकीरया करा योनाव ११
थवता याराध वेत्र मास नेसु रु पषे नोमी सुरज वारे: संपूरण कीना क
था वात बमा वासतारे २१७ इजा फुलजी ने फुलमता री वात संपुरण: अपुरप